Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 15, Issue No. 12, December-2018, ISSN 2230-7540

अलवर ज़िले में मानव संसाधन विकास का अध्ययन

Nikita Gupta[1]* Dr. Suman Singh[2]

[1] Research Scholar, Raj Rishi Bhartrihari Matsya University, Alwar, Rajasthan

[2] Associate Professor, Department of Geography, B.S.R. Govt. Arts College, Alwar, Rajasthan

शोध सारांश – *मानव संसाधन विकास सामाजिक एवं आर्थिक विकास एक विस्तृत संकल्पना है, जो किसी इकाई क्षेत्र में केवल मानव विकास तक सीमित नहीं है, अपितु जन समूह की जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी हुई है। सामाजिक सुविधाओं का विकास ग्रामीण लोगों के आर्थिक व सामाजिक जीवन में सुधार करता है, किसी भी क्षेत्र के मानवीय कारकों का वहाँ के सामाजिक और आर्थिक विकास से सीधा सम्बन्ध होता है। मानव तथा वातावरण के सम्बन्धों का अध्ययन भूगोल में प्रारम्भ से होता आया है, जिसमें जनसंख्या एवं भौतिक तत्व भौगोलिक अध्ययन के समग्र रूप से आवश्यक तत्व रहे हैं। मानव संसाधन विश्लेषण आर्थिक विकास की प्रक्रिया में जनशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह उपलब्ध मानव संसाधनों के द्वारा वर्तमान एवं भविष्य की जनशक्ति आवश्यकताओं व संभावनाओं का परीक्षण करता है।*

मुख्य शब्द:- *प्रशासनिक ईकाईयां, जनसंख्या, साक्षरता, शिक्षा विकास, शिक्षा एवं प्रशिक्षण का महत्व, जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा एवं साक्षर भारत: जिले की प्रगति का परिदृश्य ।*

----------X----------

प्रस्तावना:

मानव संसाधन विश्लेषण आर्थिक विकास की प्रक्रिया में जनशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। यह उपलब्ध मानव संसाधनों के द्वारा वर्तमान एवं भविष्य की जनशक्ति आवश्यकताओं व संभावनाओं का परीक्षण करता है। मानव संसाधन विश्लेषण के द्वारा जनशक्ति में किए विनियोग के लिए नीति निर्धारण की जाती है जिसके द्वारा विकासशील राष्ट्रों के सीमित संसाधनों का कुशलता के साथ उपयोग हो सके। इसके द्वारा मानवसंसाधन का बेहतर उपयोग करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं का निर्दिष्टीकरण संभव होता है। मानव संसाधन विकास की मुख्य विधियों के द्वारा उन कुशलताओं व क्षमताओं के स्तरों के बारे में जाना जा सकता है जो उच्च प्रतिफल प्रदान करते हैं तथा आर्थिक विकास हेतु सहायक होते हैं। इस प्रकार प्रत्येक सीमित संसाधन के बेहतर प्रयोग की संभावना बढ़ती है। इस शोध अध्ययन के लिए जिला अलवर का चयन किया गया।

भौगोलिक स्थिति:

जिला अलवर राजस्थान के उत्तर पूर्व में 27°4“ से 28°4“ उत्तरी अक्षांश तथा 67°4“ से 77°13“ पूर्वी देशान्तर के मध्य अरावली पर्वत श्रृखलाओं में स्थित है। आकार में अच्छा खासा चतुर्भुजाकार है। जिले की सीमायें पूर्व में भरतपुर पश्चिम में जयपुर दक्षिण में जयपुर, दौसा, जिला तथा उत्तर में हरियाणा राज्य से घिरी हुई है।

www.ignited.in

क्षेत्रफल व भौतिक स्वरूप:-

अलवर जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8380 वर्ग कि.मी. है जो राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.45 प्रतिशत है। क्षेत्रफल की दृष्टि से जिले की आकृति लगभग चैकोर है जो जिले के दक्षिणी पश्चिमी भागों में मुख्य अरावली श्रेणियों की निरन्तरता बनाये रखते हुए घाटियों के ऊँचें पठारों के रूप में विद्यमान है। जिले के मध्य भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर अरावली पहाड़ियों की ऊँचाई 456 मीटर से 700 मीटर है। जिले का यह भू-भाग जंगलों से परिपूर्ण है। जिले का पश्चिमी भाग रेतीला है जबकि मध्य भाग में पर्वतीय तथा पठारी भू-भाग है।

शोध अध्ययन का उद्देश्य:

1. अलवर जिले में प्रशासनिक एवं जनसांख्यिकी संरचना अध्ययन किया गया।
2. अलवर जिले में शिक्षा विकास का अध्ययन किया गया है।
3. अलवर ज़िले में साक्षरता का विश्लेषण किया गया।

शोध परिकल्पना:

1. अलवर जिले के सामाजिक विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण हैं।
2. अलवर जिले में मानव संसाधन विकास के प्रभाव स्पष्ट दिखाई देते हैं।

शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोतों से प्राप्त समकों का प्रयोग किया जायेगा जिनके आधार पर समस्या का विश्लेषण कर सम्भावित शोध परिणाम निष्कर्ष एवं सुझाव देने का प्रयास किया गया है।

आंकड़ों के स्रोत:

किसी भी प्रकार के अध्ययन के लिए आँकड़ों की आवश्यकता होती है। प्रस्तुत अध्ययन में उपयोग हेतु प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ें एकत्रित किये गये हैं। विभिन्न विभागों में अभिलेखित आँकड़ों का एकत्रीकरण जनसांख्यिकी विभाग, अलवर, जिला कलेक्टर कार्यालय, अलवर, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला उच्च शिक्षा केन्द्र एवं मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर से किया गया है ।

विधि तंत्र:

प्राथमिक व द्वितीयक आंकड़ों का तालिकाओं, मानचित्रों एवं सांख्यिकीय विधियों द्वारा विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण के लिए निम्नलिखित सांख्यिकीय सूत्रों का उपयोग किया गया।

प्रशासनिक ईकाईयां:

अलवर जिला वर्तमान में 14 उपखण्डों, 16 तहसीलों व 14 पंचायत समितियों में बँटा हुआ है। जिला कलक्टर एवं जिला दण्डनायक जिले का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी है जो कि (न्याय,कानून व्यवस्था) एवं विकास कार्यो का सर्वोच्च अधिकारी है। इसी प्रकार प्रत्येक उपखण्ड के लिए उपखण्ड अधिकारी एवं तहसील के लिए तहसीलदार जिन्हे कार्यकारी दण्डनायक के अधिकार प्राप्त है जिले में कुल 532 पटवार मण्डल है। जिले में 14 पंचायत समितियों का गठन किया गया है। जिला परिषद का प्रभारी एवं मुखिया जिला प्रमुख होता है। जिसको जिला परिषद के सदस्य चुनते है। जिला परिषद के सदस्यों को जनता चुनती है। जिला स्तर पर शीर्ष संस्था जिला परिषद के प्रशासनिक नियन्त्रक मुख्य कार्यकारी अधिकारी है। पंचायत समिति द्वारा खण्ड स्तर पर सभी प्रकार के विकास कार्यक्रम को क्रियान्वयन कर कार्य को विकास अधिकारियों के माध्यम से सम्पन्न करवाते है। प्रधान प्रत्येक पंचायत समिति का निर्वाचित मुखिया होता है। विकास अधिकारी पंचायत समिति का नियन्त्रक अधिकारी होता है। जिले की 14 पंचायत समिति के अधीन 512 ग्राम

www.ignited.in

पंचायते है। पंचायत समितिवार पंचायतों की संख्या एवं सम्बन्धित तहसील का विवरण निम्नलिखित अनुसार है।

क्र.सं.	पंचायत समिति का नाम	स्थापना वर्ष	ग्राम पंचायतो की संख्या	ग्राम सम्बन्धित तहसील
1	उमरैण	1962	41	अलवर,मालाखेड़ा
2	थानागाजी	1958	36	थानागाजी
3	राजगढ़	1960	31	राजगढ़
4	कठूमर	1962	42	कठूमर
5	लक्ष्मणगढ़	1954	45	लक्ष्मणगढ़,गोविन्दगढ़
6	रामगढ़	1962	43	रामगढ़
7	मुण्डावर	1857	43	मुण्डावर
8	किशनगढ़बास	1952	34	किशनगढ़बास
9	तिजारा	1956	44	तिजारा
10	कोटकासिम	1957	24	कोटकासिम
11	रैणी	1962	26	रैणी
12	बानसूर	1958	40	बानसूर
13	बहरोड़	1962	30	बहरोड़
14	नीमराणा	1960	33	नीमराणा
	योग :-		612	

जनसंख्या:

अलवर जिले का क्षेत्रफल 8380 वर्ग कि.मी. है। जनगणना 1991 के अनुसार 2296580 जनसंख्या है, जो राज्य की कुल 44005990 जनसंख्या की तुलना में 5.15 प्रतिशत है। जिले में 1221534 पुरूष तथा 1075046 स्त्रियाँ है। जिले के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 1976293 एवं 320287 व्यक्ति निवास करते है। जनगणना 2001 के अनुसार जिले में कुल 2992592 जनसंख्या है। जिनमें 2557653 ग्रामीण तथा 434939 नगरीय जनसंख्या है। इस प्रकार 1536752 पुरूष तथा 1405840 स्त्रियाँ है। जनगणना 2011 के अनुसार जिले में कुल जनसंख्या 3674179 है जिनमें 3019728 ग्रमीण व 654451 नगरीय जनसंख्या है इस प्रकार 1939026 पुरूष तथा 1735153 स्त्रियॉ है।

जनगणना 2011 के अनुसार 7 नगरीय क्षेत्र है।
राज्य की तुलना में जिले की कुल जनसंख्या (सैकड़ों में)

जनगणना	कुल जनसंख्या राजस्थान	जिला अलवर	राज्य की जनसंख्या का प्रतिशत
1961	201556	10990	5.45
1971	257658	13912	5.40
1981	342619	17556	5.12
1991	440060	22966	5.21
2001	565071	29925	5.29
2011	685484	36742	5.36

साक्षरता:

जनगणना 2001 में जिले की कुल जनसंख्या 2992592 का 61.71 प्रतिशत व्यक्तियों को साक्षर माना गया जबकि जनगणना 1991 में राजस्थान राज्य की कुल जनसंख्या का 38.55 प्रतिशत साक्षर थी। जबकि जनगणना 2001 में राज्य की 60.4 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर मानी गयी है, राज्य साक्षरता दर में 75.7 प्रतिशत पुरूष तथा 43.9 प्रतिशत स्त्रियाँ साक्षर है। अलवर जिले की जनगणना 2001 के अनुसार 61.7 प्रतिशत साक्षरता दर है, जिसमें 78.1 प्रतिशत पुरूष तथा 43.3 प्रतिशत स्त्रियॉ साक्षर है। जिले की 2992592 जनसंख्या में से 1488281 व्यक्ति साक्षर में से 998253 पुरूष तथा 490028 स्त्रियाँ साक्षर है। अलवर जिले में जनगणना 2011 के अनुसार 70.72 प्रतिशत साक्षरता दर है, जिसमें 83.75 प्रतिशत पुरूष तथा 56.25 प्रतिशत स्त्रिया साक्षर है।

साक्षरता का प्रतिशत :-

वर्ष	पुरुष	स्त्रियाँ	राज्य का प्रतिशत	जिला अलवर		
				पुरुष	स्त्रियाँ	कुल
1981	36.30	11.42	24.38	40.05	11.38	26.38
1991	54.99	20.44	38.55	60.98	22.54	43.09
2001	75.70	43.90	60.40	78.10	43.30	61.70
2011	79.19	52.12	66.11	83.75	56.25	70.72

शिक्षा विकास:-

जिले में शिक्षा कार्य की जिम्मेदारी शिक्षा विभाग द्वारा पूरी की जा रही है। शिक्षा विभाग अलवर जिले में पढने वाले छात्र एवं छात्राओं को शिक्षा देकर उनको भविष्य में उज्जवल कार्यो के लिये एंव देश की सेवा करने के लिये तैयार करता है। शिक्षा के माध्यम से लोगो से लोगो की बुद्धिमता को बढावा देना भी है तथा जिले राज्य देश के विकास में मददगार हैं। युवक - युवतियो को शिक्षा के माध्यम से राज्य के लिये डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी व तकनीकी शिक्षा से तकनीकी रोजगार हेतु तैयार करना है।

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का महत्व:-

शिक्षा एवं प्रशिक्षण द्वारा समाज को निम्न लाभ प्राप्त होते हैं।

(1) शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के साथ ही उनके सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों को (Spillover) लाभ प्राप्त होते है। पढ़े-लिखें परिवारों में कार्य कर प्रति दृष्टिकोण धनात्मक रूप से बदलता है।

(2) शिक्षा के द्वारा एक विकास करती अर्थव्यवस्था को प्रशिक्षित जनशक्ति प्राप्त होती है।

www.ignited.in

(3) शिक्षा संभावित क्षमताओं एवं सृजन की प्रक्रिया को बढ़ाती है।

(4) ऐसा वातावरण निर्मित होता है जो विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में खोज व नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन दे।

(5) शिक्षा सामाजिक अनुशासन को बढ़ावा देती है व कल्याण की भावना से प्रेरित हो स्वैच्छिक रूप से कार्यरत रहने का दृष्टिकोण उपजता है।

(6) शिक्षा राजनीतिक स्थायित्व को बनाए रखने में प्रेरक भूमिका प्रस्तुत करती है। शिक्षित जनमानस एक सुदृढ़ एवं स्थायी नेतृत्व के द्वारा प्राप्त होने वाले लाभों के प्रति जागरूक बनाती है।

(7) शिक्षा के प्रचार प्रसार से कार्य व आराम दोनों पक्षों को समान रूप से महत्व दिया जाता है।

प्राथमिक शिक्षा:- अलवर जिले में प्राथमिक शिक्षा के विद्यालयों का विवरण निम्न तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

जिले मे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयो एवं उनमे अध्ययनरत छात्रो की वर्ष 2017-18 की प्रगति विवरण निम्न प्रकार है।

विद्यालय स्तर	कुल अध्यापक			प्रशिक्षित अध्यापक			अप्रशिक्षित अध्यापक		
	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
प्राथमिक	1248	848	2096	1248	848	2096	0	0	0
उच्चप्रा	3206	1896	5102	3206	1896	5102	0	0	0
योग	4454	2744	7198	4454	2744	7198	0	0	0

1. जिले मे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या:-

विद्यालय स्तर	राजकीय			मान्यता प्राप्त			योग		
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
प्राथमिक	996	0	996	221	0	221	1217	0	1217
उच्चप्रा	936	102	1038	977	1	978	1913	103	2016
योग	1932	102	2034	1198	1	1199	3130	103	3233

2. जिले मे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्र संख्या:-

विद्यालय स्तर	कुल नामांकन			अनु.जाति			अनु. जन जाति		
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
प्राथमिक	52417	60155	112572	11748	12910	24658	4046	4995	9041
उच्चप्रा	22358	28315	50673	6199	7258	13457	1605	2477	4082
योग	74775	88470	163245	17947	20168	38115	5651	7472	13123

जिले मे अध्यापको की संख्या कुल अध्यापक:-

अलवर जिले में माध्यमिक विद्यालय/उच्च माध्यमिक विद्यालय इनमें अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की वर्ष 2017-18 की प्रगति विवरण निम्न प्रकार है-

1 माध्यमिक /उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापकों की संख्या का विवरण –

विद्यालय का स्तर	कुल अध्यापक			प्रशिक्षित अध्यापक			अप्रशिक्षित अध्यापक		
	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
माध्यमिक	2183	1460	3643	1892	1143	3035	291	317	608
उच्च माध्यमिक	4993	2755	7748	4654	2534	7188	339	221	560
योग –	7176	4215	11391	6546	3677	10223	630	538	1168

2 माध्यमिक /उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्र/छात्राओं की संख्या का विवरण

विद्यालय का स्तर	कुल नामांकन			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति		
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
माध्यमिक	184527	142398	326925	35945	29024	64969	13204	10470	23674
उच्च माध्यमिक	399740	315291	715031	79173	68262	147435	32028	28236	60264
योग –	584267	457689	1041956	115118	97286	212404	45232	38706	83938

3 माध्यमिक /उच्च माध्यमिक विद्यालयों की संख्या का विवरण –

विद्यालय का स्तर	राजकीय			मान्यता प्राप्त			कुल योग		
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
माध्यमिक	217	17	234	487	2	489	704	19	723
उच्च माध्यमिक	441	38	479	523	10	533	964	48	1012
योग –	658	55	713	1010	12	1022	1668	67	1735

4.माध्यमिक /उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षावार छात्र/छात्राओं की संख्या का विवरण –

कक्षा का स्तर	कुल नामांकन			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति		
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
6 से 8	201293	162941	364234	39967	34389	74356	12676	10779	23455
9 से 10	137915	107010	244925	27113	22562	49675	10295	8360	18655
11 से 12	139942	109562	249504	28820	24769	53589	11942	10895	22837
योग 6 से 12	105115	78173	183288	19218	15566	34784	10319	8672	18991
1 से 5 माध्यमिक में	382972	294745	677717	75151	62897	138048	32556	27927	60483
1से 5 उच्चमाध्यमिक में	201293	162941	364234	39967	34389	74356	12676	10779	23455
1से 5 कुल योग–	137915	107010	244925	27113	22562	49675	10295	8360	18655

उच्च शिक्षा:-

अलवर जिले में कुल 168 निजी एवं 10 सरकारी कॉलेज वर्तमान में संचालित हैं। इसमें 15 पोलटेक्निक कॉलेज, 08 इंजीनियरिंग कॉलेज, 10 नर्सिंग कॉलेज, 01 मेडिकल कॉलेज, 65 शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, 15 एस टी सी कॉलेज 02 निजी विश्वविद्यालय एवं 01 सरकारी विश्वविद्यालय संचालित हैं।

जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा:-

साक्षर भारत मिशन 2017 - 2018 प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितम्बर 2009 के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक समारोह में साक्षर भारत कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में उन सभी 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के स्त्री-पुरुषों को सम्मिलित किया गया जो अक्षर ज्ञान से वंचित रह गये थे।

साक्षर भारत: जिले की प्रगति का परिदृश्य

वर्ष 2017-18 में जिले को 25000 असाक्षरों को साक्षर कर बुनियादी परीक्षा दिलवाने का लक्ष्य निदेशालय साक्षरता एवं सतत शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा दिया गया था। साक्षर

www.ignited.in

भारत कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षण संस्थान वर्ष में दो बार बुनियादी साक्षरता परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। माह अगस्त 2017 की परीक्षा में 13770 परीक्षार्थी सम्मिलित हुये जिसमें से 12452 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये तथा मार्च 2018 में 8243 परीक्षार्थी सम्मिलित हुये जिसमें से 7197 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। जिले के 14 ब्लॉक में यह कार्यक्रम संचालित है। प्रत्येक ग्राम पंचायत पर एक महिला तथा एक पुरुष को अंशकालिक संविदा पर रखा जाता है जो निरक्षरों को साक्षर करने के साथ-साथ महात्मा गांधी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन करते हैं। ब्लॉक स्तर पर सूचना संकलित करने एवं कार्यक्रम को सुचारु रुप से संचालित करने हेतु एक ब्लॉक समन्वयक की नियुक्ति की गई है। जिले सहित समस्त 14 ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर के बैंक खाते एस.बी.आई. बैंक सांगानेरी गेट जयपुर में खुलवाये गये हैं। जमीनी स्तर पर आज साक्षर भारत कार्यक्रम की लोकप्रियता एवं सफलता के पीछे पंचायत राज व्यवस्था, सरकारी मशीनरी एवं समर्पित कार्यकर्ताओं का बेहतर तालमेल है जो कार्यक्रम को गति प्रदान कर रहे हैं।

साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत चयनित आदर्श सांसद ग्राम योजना में ग्राम पंचायत तसींग (बहरोड़) एवं रोडवाल (नीमराणा) में शत-प्रतिशत साक्षर करने का लक्ष्य अर्जित कर लिया गया हैं।

निष्कर्ष:

अलवर जिले में मानव संसाधन विकास एवं शिक्षा विकास के अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अलवर जिले की जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि होती रही है। जनसंख्या वृद्धि के साथ साथ सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास भी हुआ है। जिले में साक्षरता विकास कार्यक्रम के तहत बुनियादी शिक्षा का विकास हुआ है। साक्षरता विकास कार्यक्रम की लोकप्रियता एवं सफलता के पीछे पंचायत राज व्यवस्था, सरकारी मशीनरी एवं समर्पित कार्यकर्ताओं का बेहतर तालमेल है जो कार्यक्रम को गति प्रदान कर रहे हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-

1. राजस्थान का भूगोल, प्रोफेसर एच एस शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. जिला कलेक्टर कार्यालय, वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट 2017-18
3. जनसांख्यिकी विभाग, जिला अलवर
4. कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी, अलवर
5. कार्यालय, मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर
6. जिला साक्षरता विकास कार्यक्रम, अलवर

Corresponding Author

Nikita Gupta*

Research Scholar, Raj Rishi Bhartrihari Matsya University, Alwar, Rajasthan

www.ignited.in